DELHI POLICE 2025
CONSTABLE
HCM
AWO/TPO
DRIVER
यकीन बैच
HISTORY
बौद्ध धर्म
LIVE
30-04-2025 12:05 PM

महाजनापद
(वर्तमान स्थीति)

(1) ➪ काशी (वाराणसी) U.P. Kashi (Varanasi) U.P.

(2) ➪ कोशल (फैजाबाद) UP. Koshal (Faizabad) U.P.

(3) ➪ अंग (भागलपुर, मुंगेर) (बिहार)

Anga (Bhagalpur, Munger) (Bihar)

(4) ➪ मगध (पटना एवं गया जिले)

Magadha (Patna and Gaya districts)

(5) ➪ वत्स (वर्तमान इलाहाबाद एवं बांदा के जिले)

Vatsa (present Allahabad and Banda districts)

(6) ➪ वज्जि (आधुनिक बिहार में स्थित था)

Vajje (was situated in modern Bihar)

(7) ➪ मल्ल (उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में) देवरिया जिले में स्थित था

Malla (in the eastern part of Uttar Pradesh) was situated in Deoria district

(8) ➪ अवन्ति (पश्चिमी एवं मध्य मालवा क्षेत्र)

Avanti (Western and Central Malwa region)

चेदि

(9) ➪ चेदि (आधुनिक बुंदेलखंड एवं उसका समीपवर्ती भाग)

Chedi (Modern Bundelkhand and its adjacent parts)

- अस्सक (अस्मक) गोदावरी नदी के तट पर स्थित था।

  Assaka (Asmak) was situated on the banks of Godavari river.

- केवल यही दक्षिण भारत में स्थित था।

  This was the only one situated in South India.

- कुरु (मेरठ, दिल्ली एवं थानेश्वर के आस-पास का क्षेत्र

  Kuru (area around Meerut, Delhi and Thaneshwar

- पांचाल (आधुनिक रुहेलखण्ड के बरेली, बदायूँ एवं फर्रुखाबाद के जिले में)

  Panchala (in the districts of Bareilly, Badaun and Farrukhabad of modern Rohilkhand)

- मत्स्य (जयपुर, अलवर, भरतपुर के क्षेत्र)

  Matsya (areas of Jaipur, Alwar, Bharatpur)

- शूरसेन (मथुरा के आस-पास का क्षेत्र)

  Shurasen (area around Mathura)

- गांधार (पाकिस्तान के पेशावर एवं रावलपिंडी जिले में)

  Gandhara (in Peshawar and Rawalpindi districts of Pakistan)

- कंबोज (दक्षिणी - पश्चिमी कश्मीर एवं कपिशा के आस-पास का क्षेत्र)

  Kamboja (area around south-western Kashmir and Kapisha)

बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म Buddhism

- संस्थापक – गौतम बुद्ध
  Founder - Gautam Buddha
- अन्य नाम – तथागत, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह, **The light of Asia.**
  Other names - Tathagata, Shakya Muni, Shakya Singh
- जन्म – 563 ईसा पूर्व – लुम्बिनी → कपिलवस्तु (नेपाल)
  Born - 563 BC - Lumbini
- मृत्यु – 483 ईसा पूर्व – कुशीनगर (मल्ल की राजधानी)
  Death - 483 BC - Kushinagar → 80 वर्ष की आयु में मृत्यु → महापरिनिर्वाण
- बचपन – सिद्धार्थ
  Childhood - Siddhartha

563
483
80

- पिता – शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य)
- **Father- Shuddhodana (Shakya Republic)**
- माता – महामाया (माया देवी – कोलीय गणराज्य)
- **Mother - Mahamaya (Republic of maya devi - Koliya)**

साल वृक्ष के नीचे [redacted] सिद्धार्थ का जन्म हुआ।

Siddhartha was born in [redacted] Sall Tree.

- सिद्धार्थ के जन्म के 7वें दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया तब इनका पालन पोषण इनकी मौसी – प्रजापति गौतमी ने किया।
- **His mother died on the 7th day after the birth of Siddhartha, then he was brought up by his aunt - Prajapati Gautami.**

गौतम बुद्ध → एशिया का ज्योतिपुंज (Light of Asia)

↳ Step Mother (सौतेली माँ)

- पत्नी : यशोधरा (शादी 16 वर्ष की अवस्था में हुआ)
- Wife: Yashodhara (married at the age of 16)

12 वर्ष बाद : पुत्र पैदा हुआ –राहुल

After 12 years: son was born - Rahul

- 29 वर्ष की अवस्था में घर छोड़ (महाभिनिष्क्रमण) दिया

Left home (Mahabhinishkran) at the age of 29

- 4 दृश्य जिनके कारण सिद्धार्थ संन्यासी बनने के तरफ बढ़ गए–

4 scenes that led Siddhartha to become a sanyasi-

1. बूढ़ा व्यक्ति old man
2. बीमार व्यक्ति sick person
3. मृत व्यक्ति की शय्या Shadow of the dead person
4. संन्यासी Saints

सारथी - चन्ना / छंदक

घोड़ा (Horse) -> कंथक

कपिल मुनि

- महात्मा बुद्ध के गुरू – आलार कलाम (सांख्य दर्शन)
  Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

  रूद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)
  Rudrak Rama Putram (Yoga Philosophy)

  बृहस्पति (वैदिक दर्शन)
  Jupiter (Vedic Philosophy)

- 35 वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त (सम्बौद्धि) हुआ

Enlightened (Sambodhi) at the age of 35

- पीपल वृक्ष **peepal tree**
- उरूवेला, बोधगया, बिहार **Uruvela, Bodh Gaya, Bihar**
- निंरजना नदी **nirjana river** / फाल्गु नदी
- वैशाख पूर्णिमा **Vaishakh Purnima**

29
+ 6 → वर्ष तपस्या
35

जन्म (Birth)
मृत्यु (Death)
ज्ञान प्राप्त हुआ।

बौद्ध धर्म के लोगों का महत्वपूर्ण त्योहार (Important festival) है।

- पहला उपदेश – सारनाथ (ऋषिपत्तनम)
  First Sermon - Sarnath (Rishipatnam)

धर्मचक्र प्रवर्तन – 5 ब्राह्मण → भाषा (Language) ⇒ पाली भाषा

Turning the wheel of Dharma - 5 Brahmins

- कौडिन्य **Kaudinya**
- वप्पा **wappa**
- भोदिया **Bhodiya**
- मघनामा **maghnama**
- अस्ता **asta**

महाभिनिष्क्रमण

धर्मचक्रप्रवर्तन

महापरिनिर्वाण (Mahaparinirvan)

→ Mahabhiniskraman

→ Dharmachakrapravartan

- वाराणसी में यज्ञश्रेष्ठी को ज्ञान दिया।
  Gave knowledge to Yagyashreshthi in Varanasi.

- वाराणसी में ही बौद्ध भिक्षु संघ बनाया।

  The Buddhist monks' union was formed in Varanasi itself.

- वाराणसी के बाद वैशाली गए, और वहाँ बौद्ध भिक्षुणी संघ बनाया (आनंद के कहने पर)

  After Varanasi, went to Vaishali, and formed a Buddhist nunnery there (at the behest of Anand)

- इस संघ में सबसे पहले प्रजापति गौतमी [redacted] जुड़ी। (आम्रपाली ↓ बौद्ध धर्म को अपनाया)

  First Prajapati Gautami [redacted] joined this union.

- सबसे अधिक उपदेश एवं सबसे अधिक अनुयायी – श्रावस्ती में थे।

- **Most preachers and most followers were in Shravasti.**

- इन्होंने अंतिम उपदेश – कुशीनगर में (सुभद्र को) दिया।

  He gave the last sermon - in Kushinagar (to Subhadra).

Q. => जन्म => लुम्बिनी नेपाल, 563 BC

=> मृत्यु => 483 BC, कुशीनगर

=> माता => मायादेवी

=> पिता => शुद्धोधन

=> मौसी => प्रजापति गौतमी

=> पत्नी => यशोधरा

=> पुत्र => राहुल

=> गृहत्याग => 29 वर्ष

=> महाभिनिष्क्रमण

=> प्रथम गुरु => आलारकलाम

=> ज्ञान प्राप्ति => नदी निरंजन / फाल्गु

- स्थान => बोधगया
- वृक्ष => पीपल वृक्ष

-> ज्ञान किस दिन प्राप्त => वैशाख पूर्णिमा

-> प्रथम उपदेश कहां -> सारनाथ

किसे -> 5 ब्राह्मण

भाषा -> पाली

=> बौद्ध भिक्षु संघ -> वाराणसी

=> " भिक्षुणी संघ => वैशाली

=> महिलाओं को प्रवेश किसके कहने ? => आनंद

=> सर्वाधिक उपदेश => श्रावस्ती

=> तपस्या (कितने वर्ष) => 6 वर्ष

=> अंतिम उपदेश कहां ? -> कुशीनगर

किसे ? -> सुभद्द

सारथी -> चन्ना / छंदक

घोड़े => कंथक

जन्म किस वृक्ष के नीचे ? => साल वृक्ष

- सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में
  Most sermons in Pali language
- सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।
  Spent maximum rain - in Sravasti.
- अंतिम वर्षावास – कुशीनगर
  Last Varshawas - Kushinagar

शिक्षाएँ –Teachings → आर्य सत्य – 4

1. दुःख है **Grief**
2. दुःख का कारण है **cause of sorrow**
3. दुःख का निराकरण है **Sorrow is the solution**
4. दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।
   Redressal of sorrow is done through the eightfold path.

आष्टांगिक मार्ग – 8 octagonal route

1. सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
   Right View (belief in the 4 Noble Truths)
2. सम्यक संकल्प **Right Resolution**
3. सम्यक वाणी **Right Speech**
4. सम्यक कर्म **Right action**
5. सम्यक आजीविका **Right Livelihood**
6. सम्यक व्यायाम **Right Exercise**
7. सम्यक स्मृति **Right Memory**
8. सम्यक समाधि **Right Samadhi**

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड **Birth: Kamal + bull**
  - ↳ यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा **Home abandonment: horse**
- गर्भ : हाथी **womb: elephant**
- ज्ञान : पीपल **Knowledge: People**
- मृत्यु : पद चिह्न **Death: Footprint**
  - ↳ मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 **Modesty in Buddhism – 10**

बौद्ध साहित्य Buddhist literature

- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया हैं

  Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

1. विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम

   Rules of the Buddhist Sangha

   Vinaya Pitaka: Upali Disciple

2. सुत्त पिटक आनंद शिष्य – गौतम बुद्ध के उपदेश

   Teachings of Gautam Buddha

   Sutta Pitaka: Ananda Disciple

3. अभिधम्म पिटक मोगली शिष्य

   Abhidhamma Pitaka: Disciples of Mowgli

- सुत्त पिटक – गाय – (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)

  Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

  Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

• सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व
   Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha
2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद
   Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas
3. दीघ निकाय **Deegh body**
4. मंझिम निकाय **Manjhim body**
5. संयुक्त निकाय **sanykut body**

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

Three Jewels: Buddhism, Dhamma, Sangha

बौद्ध → ज्ञान

धम्म → शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483	राजगृह **Rajgriha**	अजातशत्रु **Ajatashatru**	महाकश्यप **Mahakashyap**
2. 383	वैशाली **Vaishali**	कालाशोक **Kalashok**	साबकमीर **Sabakmir**
3. 255	पाटलिपुत्र **Pataliputra**	अशोक **Ashok**	मोगली पुत्र **Mowgli Putra**
4. पहली शताब्दी	कुण्डलवन	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष–अश्वघोष)

1st century Kundalavan Kanishka Vasumitra (Vice-President - Asvaghosha)

5. 1871 माण्डले (म्यांमार) → राजा मिण्डन

चौथी बौद्ध संगीति : Fourth Buddhist Council:

- 1. **महायान** : वसुमित्र – बुद्ध को ईश्वर समझते हैं।
  Mahayana: Vasumitra - considers Buddha as God.
  → नए नियम बनाए **make new rules**
  चीन, जापान, कोरिया, भूटान, सिंगापुर
  China, Japan, Korea, Bhutan, Singapore

- 2 **हीनयान** : महाकश्यप
  Hinayana: Mahakashyapa
  - अष्टांगिक मार्ग **Eightfold Path** ✓
  - परिवर्तन **change** ×
  - बुद्ध को महापुरूष
    Buddha the legend

  - वैभाषिक
    Vaibhashik
  - सर्वास्विवादी
    totalitarian

बौद्ध मठ : Buddhist Monastery:

- लद्दाख – हेमिस, ठिकसे **Ladakh - Hemis, Thiksey**
- सिक्किम–रूमटेक, लिंगडम, **Sikkim - Rumtek, Lingdam,**
- हिमाचल प्रदेश – ताबो, शशूर, मैक्लोडगंज (धर्मशाला), की गोम्पा, नाको

Himachal Pradesh -Tabo, Shashur, McLeodganj (Dharamsala), key gompa, Nako

- अरूणाचल प्रदेश –तवांग मठ (सबसे बड़ा मठ)
  Arunachal Pradesh - Tawang Monastery (largest monastery)
- कर्नाटक – वेलकुप्पे मठ
  Karnataka - Velakuppe Monastery
- पश्चिम बंगाल –घूम
  West Bangal - Ghum

पुस्तकें : Books

फ्रांस

- बौद्ध चरित्र, सौदरानंद ब्रजसूची – अश्वघोष (भारत का वाल्टेयर/भारत के हेटे)

  Buddhist Character, Sondrananda Brajaschiti - Ashvaghosha (Voltaire of India/Hete of India)

  विभाषा शास्त्र – वसुमित्र

  Biology - Vasumitra

- पहली मानव प्रतिमा पूजी गयी – बुद्ध की (गांधार शैली)

  First human statue worshiped - Buddha (Gandhara style)

- बौद्ध शिक्षा केन्द्र – तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला, नालंदा विश्वविद्यालय

  Buddhist Education Center - Taxila, Vallabhi, Vikramshila, Nalanda University

- **बौद्ध मान्यताएँ** –

Buddhist beliefs -

- आत्मा **soul** ×
- कर्मकांड **ritual** ×
- वर्ण व्यवस्था **varna system** ×
- पुनर्जन्म **Rebirth** ✓
- मध्यम मार्ग **Madhyam Marg**

जैन धर्म JAIN DHARM

- 24 तीर्थकरो के बारे में "कल्पसूत्र" पुस्तक में लिखा हैः भद्रबाहू ने।
  It Is Written In The Book "Kalpasutra" About 24 Tirthankaras: Bhadrabahu.
- जैन धर्म सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन था।
  Jainism Was Contemporary To The Indus Valley Civilization.

- **पहले तीर्थकर** : ऋषभदेव (अंहिंसा + अपरिग्रह)
  First Tirthankara: Rishabhdev (Ahimsa + Aparigraha)
  - प्रतीक चिह्न : सांड **Symbol : Bull**
  - उपनाम : केशरिया देव /आदिनाथ (ऋग्वेद में वर्णन मिलता है।) **Surname: Keshariya Dev / Adinath (Description is found in Rigveda.)**
  - दो पुत्र **Two Sons**
    - भरत **Bharat**
    - महाबली/बाहुबली **Mahabali / Bahubali**
      - मूर्ति – श्रवणवेलगोला (कर्नाटक) **Statue - Shravanavelgola (Karnataka)**
        - चामुण्डाराय ने बनवाया **Chamundaraya built**

- दूसरे तीर्थंकर : अजीत नाथ (हाथी)

Second Tirthankar: Ajit Nath (Elephant)

- तीसरे तीर्थंकर : सम्भव नाथ (घोड़ा)

Third Tirthankar: Sambhav Nath (horse)

- 21वें तीर्थंकर : नमिनाथ (नीलकमल)

21st Tirthankar: Naminath (Nilkamal)

- 22वें तीर्थंकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)

22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- **23वें तीर्थकर** : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया। (साँप)
23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

  - शिक्षाएँ दी (4) **Teaches 4 :**

    (1) सत्य **Truth**

    (2) अहिंसा **Non-Violence**

    (3) अस्तेय (चोरी न करना)
    Asteya (Not To Steal)

    (4) अपरिग्रह (धन न संचय करना)
    Aparigraha (Non-Accumulation Of Wealth)

- **24 वें तीर्थंकर** : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24th Tirthankara: Mahaveer Swami (The Real Founder)

  - 5वीं शिक्षा **Education** : ब्रह्मचर्य **Celibacy**
  - प्रतीक : शेर / सिंह **Sign : Lion / Lion**
  - जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)

    Birth : 540 BC = Kundagram (Vaishali)
  - मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)

    Died: 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
  - पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश /इच्छवाकु वंश

    Father : Siddhartha :Gyaerak line / Ichchhavaku lineage

- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
Mother: Trishala: Lichchavi (Sister of Chetak)
- बचपन का नाम : वर्धमान **Childhood Name: Vardhman**
- पत्नी : यशोदा **Wife: Yashoda**
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी
Daughter: Anoja Priyadarshini

- दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा
  Son-In-Law: Jamali: (He Received The First Sermon) = Semi-Magadhi Language

- भाषा : बाद में "प्राकृत" **Language: later "Prakrit"**
- 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया।
  At The Age Of 30, After Taking Permission From His Brother Nandivardhan, He Renounced His Home.
- पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।
  Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.
  → आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक
  the founder of the Ajivika sect

12 वर्ष तप किया Did Penance For 12 Years

पहला वर्ष First Year

अशोक वृक्ष Ashoka Tree

स्वर्ण बालूका नदी
Golden Sand River

अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह Last 11 Years 6.5 Months

साल वृक्ष Sal Tree

ऋजुपालिका नदी
Rijupalika River

ज्ञान की प्राप्ति हुई। Knowledge Gained.

- (झिझिक/जाम्भिक ग्राम) में। (Hesitating/Jrambhik Village).
- ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए। After Attaining Knowledge, Mahavir Swami Was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.

- पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
  First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language)
- केवलिन : आत्म व शरीर के बीच **Kevalin: Between Self And Body**
  जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय **Jin: Victory Over One's Desires**
  निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त **Nirgranth: free from cognitive bondage**
- ज्ञान प्राप्ति = <u>वैशाख दशमी</u> **Gaining Knowledge = Vaishakh Dashami**
- जैन धर्म के त्रिरत्न :
  The Three Jewels of Jainism
  1. सम्यक दर्शन **Right Darshan**
  2. सम्यक ज्ञान **Right knowledge**
  3. सम्यक आचरण **Fair Conduct**

- **जैन समितियां Jain committees/ conference**
  1. 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलभद्र
     300 Bc - Pataliputra - Sthulbhatra
  2. 512 AD – वल्लभी (Guj) – देवर्धि क्षमाश्रवण (अध्यक्ष)
     512 Bc - Vallabhi (Guj) - Devardhi Apology

- **जैन धर्म में कषाय : Kashaya in Jainism:**
  - क्रोध Anger
  - माया Spell
  - मान Value

- जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है–

Jain Literature Is Called "Agam"-

  - पूर्व **East**
  - उपांग **appendage**
  - छेदसूत्र **hole thread**

  आगम की संख्या – 12

  उपांग – 12

  छंद सूत्र – 6

जैन धर्म की शाखाएं–

Branches of Jainism

श्वेताम्बर	दिगम्बर
Svetambara	Digambara
(स्थूलभद्र)	(भद्रबाहू)
(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only In North India	Went To south India

- दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया

  Promoted Svetambara branch in South India

  ↓

  सुहस्तिन **Suhastin**

- **जैन संघ** **Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।

  There were 11 Ganadhars.

  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" **Next President: "Sudharman"**
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना"
    President Of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana"

- जैन सिद्धांत **Jain Doctrine :–** (ज्ञान मीमांसा **Epistemology**)

(अनेकांतवाद)	(स्यायवाद)
(Anekantavad)	**(Sayavada)**
प्रत्येक जीव/वस्तु के अनेक गुण होते है।	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है।
Every living being/thing has many qualities.	**Only Kevalin can know many qualities.**

(नास्तिक)	(आस्तिक)
(Atheist)	**(Atheist)**
जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है।	जो वेदो को प्रमाणिक माने।
Those who consider Vedas to be unauthentic.	**Those who consider Vedas as authentic.**
"आजीवक सम्प्रदाय" **"Ajivik Sect"**	

षडदर्शन Conspiracy:–

1. गौतम : न्याय दर्शन **Gautama: Philosophy of Justice**
2. कपिल : सांख्य दर्शन **Kapil: Samkhya Philosophy**
3. कणाद : वैशेषिक **Kanad: Vaisheshika**
4. पतंजलि : योग **Patanjali: Yoga**
5. जैमिनी : पूर्व मीमांसा **Gemini: Purva Mimamsa**
6. वादरायण : उत्तर मीमांसा **Vadarayana: Uttar Mimamsa**

बौद्ध धर्म Buddhism	जैन धर्म Jainism
हर्ष – हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana	K – खारवेल Kharavel
K – कनिष्क Kanishka	A – अजातशत्रु Ajatshatru
B – बिम्बिसार Bimbisara	A – अमोघवर्ष Amodhavarsha
A – अशोक Ashoka	C – चन्द्रगुप्त मौर्य Chandragupta Maurya
P – प्रसेनजीत Prasenjit	U – उदयन Udayan
U – उदयन Udayan	S – सम्प्रीति Sampreeti
G – गोपाल (पाल वंश) Gopal (Pala dynasty)	